# आपकी लेबोरेटरी जांचें

केन्सर रोग का पता लगने पर आपको ऐसा लगेगा कि हर दिन कुछ जांचों के लिए आपका रक्त लिया जा रहा है। विभिन्न लेबोरेटरी जांचें उपचार पर आपके शरीर की प्रतिक्रिया की निगरानी के लिए की जाती हैं। लेबोरेटरी जांचें उपचार-संबंधित समस्याओं का पता लगाती हैं और अनेक प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में सहायक होती हैं। यहां कुछ सामान्य रक्त जांचों के बारे में और इनसे आपके डाक्टर को आपके स्वास्थ्य के बारे में क्या पता लगता है, इससे संबंधित जानकारी दी गई है।

सी.बी.सी.सी. – यू.एस.ए. से प्राप्त पायनिरिंग अनुदान से इस उपयोगी सामग्री को आंशिक रूप से तैयार करना संभव हुआ है।

सम्पूर्ण रक्त गणना (सीबीसी): लेबोरेटरी जांचों में से सबसे अधिक जांच जो आप करवाते हैं उसे सम्पूर्ण रक्त गणना (सीबीसी) कहा जाता है। पानी, प्रोटीन, पोषक तत्वों तथा जीवित कोशिका से रक्त बनता है। सी बी सी से आपके डाक्टर को आपकी रक्त कोशिकाओं के बारे में पता लगता है। इसमें 3 प्रकार की कोशिकाओं की गणना की जाती है जो आपके रक्त में पाई जाती हैं; यह लाल रक्त कोशिका, सफेद रक्त कोशिका तथा बिम्बाणु हैं। इसमें से प्रत्येक कोशिका (सैल) का एक विशेष काम होता है। केन्सर उपचार द्वारा इनमें से किसी भी कोशिका में बदलाव आ सकता है।

India Cancer Initiative

Distributed by

American Cancer Society®

©2010, American Cancer Society, Inc. No.011356
India Project

लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) की जरूरत आपके शरीर के समस्त अंगों में आक्सीजन प्रवाहित करने के लिए होती है। लाल रक्त कोशिकाओं को मापने का सबसे सरल तरीका यह है कि हीमोग्लोबिन (एचजीबी) या हीमेटोक्रिट (एचसीटी) को मापा जाए। जब इनमें से किसी भी एक की कमी होती है तो उस व्यक्ति को एनीमिक (ah-nee-mick) कहा जाता है। सामान्य रूप में हीमोग्लोबिन की मात्रा 12 से 18 तथा हीमेटोक्रिट की मात्रा 37 से 52 के बीच होती है।

बिम्बाणु (प्लेटिलेट्स) रक्त के बहने को रोकने में सहायक होता है। एक स्वस्थ व्यक्ति में 150,000 और 450,000 के बीच प्लेटिलेट्स होते हैं। आपको आसानी से नील पड़ सकती है या ब्लीडिंग हो सकती है जब आपके प्लेटिलेट्स का स्तर घट जाता है ब्लीडिंग की संभावना तब और बढ़ जाती है जब आपके प्लेटिलेट्स की संख्या 20,000 से भी कम हो जाती है।

सफेद रक्त कोशिकाएं (डब्ल्यू बी सी) संक्रमण से लड़ती हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति में 5,000 से 10,000 के बीच सफेद रक्त कोशिकाएं होती हैं। सफेद रक्त कोशिकाएं कई प्रकार की होती हैं और प्रत्येक का अपना विशेष कार्य होता है। संक्रमण से लड़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण सफेद रक्त कोशिका का नाम न्यूट्रोफिल (new-tro-fil) है। एक स्वस्थ व्यक्ति में 2500 से 6000 के बीच न्यूट्रोफिल होते हैं। आपके डाक्टर आपके रक्त कोशिकाओं की सावधानीपूर्वक निगरानी करेंगे क्योंकि 500 से कम न्यूट्रोफिल होने पर संक्रमण का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ जाता है।

**रसायन विज्ञान संबंधी पैनल:** इन रक्त जांचों से आपके डाक्टर को ये पता लगता है कि आपके शरीर के अंग किस तरह काम कर रहे हैं। उदाहरण के लिए इन जांचों के एक भाग से आपके डाक्टर को यह पता लगेगा कि आपका जिगर (लीवर) किस तरह काम कर रहा है। अन्य अंग जिनके काम करने का पता लगेगा उनमें गुर्दा, हृदय तथा फेफड़े शामिल हैं।

## सामान्य रिपोर्ट का अर्थ क्या है?

प्रत्येक लेबोरेटरी की अपनी स्वयं की रेंज होती है जिसे सम्पूर्ण रक्त गणना तथा रक्त रसायन परिणाम के संदर्भ में सामान्य किसे कहा जाए के आधार पर निर्धारित किया जाता है। नियम के अनुसार लेबोरेटरी रिपोर्ट पर आपके जांच परिणाम के आगे इसकी सामान्य रेंज लिखी जाती है। कुछ लोगों को अपनी जांचों के परिणामों की प्रति के बारे में पूछने में और उन्हें स्वास्थ्य की देखभाल कर रहे दल के किसी सदस्य के साथ इन आंकड़ों को देख पाने से सहायता मिलती है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया www.cancer.org वेबसाइट को देखें ।

American Cancer Society® Global

cancer.org

CBCC COMPREHENSIVE BLOOD & CANCER CENTER *Outsmarting Cancer*

Creation of this material was made possible in part by a pioneering grant from CBCC-USA.